भाकृअनुप –केंद्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान (केमाशिसं),

मुंबई में राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस का आयोजन –प्रतिवेदन

भाकृअनुप –केंद्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान (केमाशिसं), मुंबई में दिनांक 27 जून, 2025 को राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस मनाया गया । इस कार्यक्रम का आयोजन मत्स्य अर्थशास्त्र, विस्तार और सांख्यिकी (एफईईएस) प्रभाग द्वारा किया गया । हालांकि आधिकारिक राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस प्रत्येक वर्ष 29 जून को मनाया जाता है, लेकिन अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए समारोह पहले ही आयोजित किया गया। यह दिन सांख्यिकी के क्षेत्र में अग्रणी व्यक्ति प्रोफेसर प्रशांत चंद्र महालनोबिस की जयंती के उपलक्ष्य में मनाया जाता है । इस उत्सव का उद्देश्य शोधकर्ताओं, विशेष रूप से युवा पीढ़ी के बीच राष्ट्रीय विकास के लिए सामाजिक-आर्थिक नियोजन और नीति निर्माण में सांख्यिकी की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में जागरूकता बढ़ाना था । वर्ष 2025 का विषय "राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण के 75 वर्ष" था, जिसने भारत में साक्ष्य-आधारित निर्णय लेने और शासन का समर्थन करने वाले विश्वसनीय और समय पर सांख्यिकीय डेटा प्रदान करने में राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण (एनएसएस) के महत्वपूर्ण योगदान को मान्यता दी। कार्यक्रम की शुरुआत FEES विभाग की विभागाध्यक्ष एवं प्रधान वैज्ञानिक डॉ. अर्पिता शर्मा के स्वागत भाषण से हुई, जिन्होंने इस दिन के महत्व और मत्स्य विज्ञान के क्षेत्र में इसकी प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला । इसके बाद FEES प्रभाग के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. प्रसेनजीत पाल ने एक व्याख्यान दिया, जिसमें उन्होंने प्रोफेसर महालनोबिस का विस्तृत जीवन परिचय प्रस्तुत किया और सांख्यिकी के विकास में उनके योगदान पर विस्तार से बताया। कार्यक्रम के हिस्से के रूप में सांख्यिकी पर एक इंटरैक्टिव क्विज़ भी आयोजित किया गया था। क्विज़ को शैक्षिक और आकर्षक दोनों तरह से डिज़ाइन किया गया था, जिसमें सांख्यिकीय अवधारणाओं, अनुप्रयोगों और विभिन्न डोमेन में उनके महत्व पर प्रश्न शामिल थे। प्रतिभागियों ने सक्रिय रूप से क्विज़ में भाग लिया और विजेताओं को उनके प्रदर्शन के सम्मान में तत्काल पुरस्कार दिए गए। क्विज़ के बाद, सांख्यिकी के क्षेत्र से संबंधित मजेदार किस्से डॉ. अनंथन पी.एस., प्रधान वैज्ञानिक, एफईईएस प्रभाग द्वारा पढ़े गए, जिसने उत्सव को एक हल्का-फुल्का और चिंतनशील आयाम दिया। सेवानिवृत्त विभागाध्यक्ष एवं प्रधान वैज्ञानिक डॉ. एस.एन. ओझा भी कार्यक्रम में शामिल हुए और प्रतिभागियों से बातचीत की। समापन भाषण और पुरस्कार वितरण आईसीएआर-सीआईएफई, मुंबई के निदेशक डॉ. एन.पी. साहू ने किया। अपने संबोधन में, उन्होंने मत्स्य विज्ञान के छात्रों के लिए सांख्यिकीय साक्षरता के महत्व पर जोर दिया और उन्हें अपने शोध प्रयासों में सांख्यिकीय तरीकों को विवेकपूर्ण तरीके से लागू करने के लिए प्रोत्साहित किया। एफईईएस प्रभाग के पीएचडी स्कॉलर श्री महेश शर्मा ने उत्साह के साथ कार्यक्रम का संचालन किया । कार्यक्रम में सीआईएफई के छात्रों और संकाय सदस्यों ने अच्छी उपस्थिति दर्ज कराई, जो सांख्यिकीय क्षमता के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। कार्यक्रम का समापन डॉ. प्रसेनजीत पाल द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ, जिन्होंने आयोजन टीम के प्रयासों और उपस्थित लोगों की उत्साही भागीदारी को स्वीकार किया।

राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस 2025 समारोह की झलकियाँ